Pioneer Public school (2021-2022)

Date-27/04/2021

*Day- Tuesday

*Class- 6th

*Sub- Maths

Ex.-2,2 Q.no.2do in your Copy.

https://youtu.be/T8j5HBq63cc

Class- 6th

Sub- hindi

Chapter-3

Dear students do questions/Answers in fair copy

*Class- 6th

*Sub- English

Lesson -02 do question answer in copy.

Date 27/4/21

Class : VI th

Subject : Hindi

Day : Tuesday

(पाठ - 3)

(नादान दोस्त)

(कहानी से)

प्र01. अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थें? वे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थें?

उ01. बालमन जिज्ञासाओं से भरा होता हैं। उन्होंने पहले कभी अंडे नहीं देखे थे उनके घरवालों ने भी उनको अंडों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। उनको पता नहीं था कि अंडों का आकार कितना बड़ा होता हैं? अंडे किस रंग के होते हैं? उनमे बच्चे कैसे पैदा होते हैं? वे क्या खाते हैं? उनका घोसला कैसा होता है? बच्चों के मन में इस तरह के सवाल स्वाभाविक ही थें।

प्र02. केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना-पानी मांगकर कार्निस पर क्यों रखे थें?

Page No.
Date

प्र०२. कार्निस पर चिड़िया के अंडे थें। केशव और श्यामा ने सोचा कि अंडो से बच्चे निकल आए होगें। उन्हे धूप से बचाने के लिए घास बनाना था इसलिए टोकरी मंगाई गई। चिथड़ों से उनके लिए गद्दी बनाई गई। दाना-पानी मँगाकर उनकी भूख मिटाने का प्रबंध किया गया। प्याली में खाने के लिए दाना और पानी रख दिया।

प्र०३. केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?

उ०३. केशव और श्याम ने अपनी ओर से तो उन अंडों की रक्षा करनी चाही, पर यह उनकी नादानी सिद्ध हुई। चिड़िया अपने अंडो की रक्षा स्वयं कर सकती थीं। बच्चे ने अंडों की रक्षा करने के प्रयास में उन्हे छूकर गंदा कर दिया। उन्हें नही मालूम था कि यदि वे अंडो को छू लेंगे तो चिड़िया उन्हें छोड़ ही देगीं। वास्तव में वे तो उन अंडो की रक्षा करना चाहते थे लेकिन नादानी में रक्षा में हत्या हो गई।

27/08/2024 Class VI Tuesday

PAGE DATE Tuesday

Ans- They often fought against each ather for some small reasons.

Q.4- Why could the Greeks not conquer Troy?

Ans- They couldnot conquer it because there were high walls surrounding the kingdom.

Q.5- How long did the Greeks wait outside the gate?

Ans- The Greeks set up their camps in front of the main gates and waited for it to open. The thought that the Trojans would surrender as soon as their stock of grains was finished. But the gate were not opened for ten long years.